MASA–05

December – Examination 2022

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(गद्य तथा काव्य)

Paper : MASA-05

*Time : **3** Hours]* *[Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'कादम्बरी' में प्रधान रस कौनसा है ?

   (ii) 'कादम्बरी' को कितने भागों में बाँटा गया है ?

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. महाकवि बाणभट्ट कृत 'कादम्बरी' की गद्य शैली पर लेख लिखिए।

11. महाकवि माघ कृत 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य के द्वितीय सर्ग में श्रीकृष्ण, बलराम एवं उद्धव की मंत्रणा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

12. महाकवि बिल्हण कृत 'विक्रमांकदेवचरितम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर चालुक्यवंशीय राजाओं के प्रताप का वर्णन कीजिए।

13. 'कुमारसम्भव' महाकाव्य के आधार पर कालिदास की भाषा-शैली का वर्णन कीजिए।

(iii) 'शिशुपाल वध' में कुल कितने सर्ग हैं ?

(iv) 'शिशुपाल वध' काव्य का प्रारम्भ तथा अंत कौनसे शब्द से होता है ?

(v) 'कुमारसम्भवम्' किसकी रचना है ?

(vi) 'कुमारसम्भव' में किसके जन्म की कथा का वर्णन है ?

(vii) बिल्हण कहाँ के निवासी थे ?

(viii) 'विक्रमांकदेवचरितम्' में किस रीति का वर्णन किया गया है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. 'विक्रमांकदेवचरितम्' के **प्रथम** सर्ग की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

लब्धापि खलु दु:खेन परिपाल्यते दृढ़गुणसन्दान निष्पन्दीकृतापि नश्यति। उद्दाम-दर्प-भट-सहस्रोल्लासिता सिलता-पञ्जर-

विधृताप्यपक्रामति। मदजल-दुर्दिनान्धकारगजघटित-घन-घटा-परिपालितापिप्रपलायते। न परिचयं रक्षति, नाभिजनमीक्षते, न रूपमालोकयते, न कुलक्रम मनुवर्तते न शीलं पश्यति, न वैदग्ध्यं गणयति: न श्रुतम् आकर्णयति, न धर्मम-अनुरवद्ध्यते, न त्यागम् आद्रियते, न विशेषज्ञतां विचारयति नाचारं पालयति, न सत्यमनुबुध्यते न लक्षणं प्रमाणी करोति।

4. 'कादम्बरी' की कथा के अनुसार जाबालि आश्रम का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

5. महाकवि माघ कृत 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य का सामान्य परिचय दीजिए।

6. महाकवि बिल्हण विरचित 'विक्रमांकदेवचरितम्' ऐतिहासिक महाकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

यावदर्थपदां वाचमेवभादाय माघव:।

विरराम महीयांस: प्रकृत्या मितभाषिण:॥

8. संस्कृत गद्य का उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय दीजिए।

9. 'कुमारसम्भव' के पञ्चम सर्ग के अनुसार शिव एवं पार्वती के संवाद का वर्णन कीजिए।